

σύστ. β.

- OI. θύγατερ, ποὶ τις φροντίδος ἔλθη; 170
 AN. ὡς πάτερ, ἀστοῖς ἵβα χρὴ μελετᾶν,
 εἴκοντας ἢ δεῖ κούνι ἀπιθοῦντας.
 OI. πρόσθιγέ νύν μου. AN. ψαύω καὶ δή.
 OI. ὡς ξεῖνοι, μὴ δῆτ' ἀδικηθῶ
 σοὶ πιστεύσας μεταναστάς. 175

στρ. β.

- XO. οὐ τοι μήποτέ σ' ἐκ τῶνδ' ἐδράνων,
 ὡς γέρον, ἄκοντά τις ἄρη.
 OI. προβῶ; XO. ἔτι βαῖνε πέρσω. 180
 OI. ἔτι; XO. προβίβαζε, κούρα,
 πόρσω· σὺ γάρ ἀτεις.
 AN. ἔπεο τῷδ', ἔπε' ὥδ' ἀμαυρῷ
 κώλῳ, πάτερ, ἦ σ' ἄγω.
 OI. — — —
 AN. ⌈ ⌉ ⌉ ⌉ ⌉ ⌉ ⌉ ⌉
 ⌉ ⌉ ⌉ ⌉ ⌉ ⌉ ⌉ ⌉
 OI. ⌉ ⌉ ⌉ ⌉ ⌉ ⌉

170. ἔλθη A. ἔλθοι B. K. L.

172. κούνι ἀκούοντας mss. κούνι ἀκοντας Tricl. Mein. καὶ ἀκούοντας Musgr. Dind. κούνι κατοκνοῦντας Herm. κούνι ἀπιθοῦντας Hart. Nauck. Recte.

173. πρόσθιγέ νῦν L.

174. ξένοι B. L. ξεῖνοι A. T.

175. καὶ μεταναστάς mss. μεταναστάς Herm. Recte.

177. ἄξει A. K. L. T. ἀγάγη B. ἄρη Elmsl. Cf. 263. Aj. 788.

τί μ' — ἐξ ἐδρας ἀνίστατε; Eur. Iph. T. 1201. οὐ γάρ ποτ' ἀν νῦν
 ἡράμην βάθρων ἄπο. Qu. ἄκοντ' ἀγάγη τις, coll. 879. Eur. Her. 286.
 οὐκ ἔμελλες — ἄξειν βίᾳ τούσδ'. Vulgata soloeca est.

178. ἔτι οὖν ἔτι προβῶ mss. ἔτι οὖν Both. Elmsl. Nauck. Jebb.
 προβῶ Herm. Dind. ἔπιβαινε mss. ἔτι βαῖνε Reisk. Cf. ad 1777.

179. πρόσω mss. πόρσω Both. Dind. Cf. 226. Tr. 195.

182. ἔπεο μ' ἀν ἔσπε (sed in marg. ἔπεο μοι) L. ἔπεο
 μὰν mss. Dedi ἔπεο τῷδ'. Cf. 1547. τῷδ', ὥδε, τῷδε βῆτε.

183. Post h. v. quattuor versuum defectum indicavit versuique
 184. XO. praefixit Herm.